IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, December 2025
Impact Factor: 7.67

भारतीय ज्ञान परंपरा में सूफी काव्य धारा का योगदान

डॉ. ज्योति पाण्डेय

अतिथि विद्वान -हिंदी विभाग, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, (म.प्र.)

सारांश (Abstract)

सूफी काव्य धारा भारतीय साहित्य और ज्ञान परंपरा की एक महत्वपूर्ण शाखा है, जो मध्यकालीन भारत में इस्लामी रहस्यवाद और हिंदू भक्ति परंपरा के समन्वय से विकसित हुई। यह धारा प्रेम, एकता, आध्यात्मिकता और सामाजिक सद्भाव पर केंद्रित है, जिसमें सूफी कवियों ने भारतीय लोककथाओं, प्रतीकों और स्थानीय भाषाओं का उपयोग कर दिव्य प्रेम की व्याख्या की। इस शोध पत्र में सूफी काव्य के प्रमुख कवियों, उनकी रचनाओं और भारतीय ज्ञान परंपरा पर उनके योगदान का विश्लेषण किया गया है। सूफी काव्य ने न केवल साहित्यिक विकास को बढ़ावा दिया, बल्कि धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक एकीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह धारा वेदों, उपनिषदों और भक्ति साहित्य से प्रेरित होकर मानवीय एकता और आध्यात्मिक ज्ञान की खोज को प्रोत्साहित करती है।

कीवर्ड्स (Keywords)

सूफी काव्य, भारतीय ज्ञान परंपरा, भक्ति आंदोलन, प्रेमाख्यान, धार्मिक सहिष्णुता, सांस्कृतिक समन्वय, अमीर खुसरो, मलिक मुहम्मद जायसी, रहस्यवाद, लोक साहित्य

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-30198